साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 175 | जौनपुर, गुरूवार, 21 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

लोकपाल ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई जांच के दिए आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल ने मंगलवार को सीबीआई को तृणमूल कांग्रेस की नेत्री और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ कैश– फार –क्वेरी (पैसे लेकर सदन में सवाल पूछने) मामले में केस दर्ज करने और छह महीने के भीतर जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। साथ ही जांच एजेंसी से कहा है कि वह हर महीने की जांच की प्रगति रिपोर्ट भी दे। मोइत्रा को पिछले साल दिसंबर में इस अनैतिक आचरण के लिए लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने अपने निष्कासन को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यही नहीं, उन्हें पार्टी ने बंगाल की कृ ष्णानगर लोकसभा सीट से दोबारा अपना उम्मीदवार भी बनाया है।

निशिकांत दुबे ने लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कराई

भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि मोइत्रा ने दुबई में बैठे व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से नकदी और उपहार के लेकर संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में सवाल पूछे थे। न्यायमूर्ति अभिलाषा कुमारी की अध्यक्षता वाली लोकपाल पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि पूरे मामले का रिकॉर्ड देखने और मूल्यांकन करने के बाद इसमें कोई संदेह नहीं है कि जनप्रतिनिधि ा पर जो आरोप लगाए हैं, वह गंभीर प्रवृति के हैं।

पशुपति पारस के इस्तीफे के बाद रिजिजू को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति भवन ने आज (20 मार्च) एक बयान में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पारस ने मंगलवार (19 मार्च) को इस्तीफा दे दिया क्योंकि उन्होंने भाजपा पर बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए सहयोगियों के साथ सीट–बंटवारे समझौते से बाहर करके उनकी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया था। उनकी घोषणा एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग द्वारा अपने सीट–बंटवारे समझौते की घोषणा के एक दिन बाद आई और उनके गुट के दावों को नजरअंदाज करते हुए चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजेपी (रामविलास) को पांच सीटें दी गईं।

राष्ट्रपति भवन के बयान में कहा गया, भारत के राष्ट्रपति ने, प्रधान मंत्री की सलाह के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिपरिषद से पशुपति कुमार पारस का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

हाजीपुर सीट से ही चुनाव लड़ेंगे चिराग पासवान

बिहार, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए दिल्ली में चिराग पासवान के नेतृत्व में संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक के बाद चिराग ने साफ तौर पर कहा कि वह हाजीपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। बाकी की सीटों पर उन्होंने कहा कि 2 से 4 दिन में फैसला हो जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद हम बिहार के लिए रवाना होंगे...कई प्रस्तावों को अनिवार्य रूप से पारित करना होगा, और कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे। इन सबको ध्यान में रखते हुए बैठक बुलाई गई है। जब उनसे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची के बारे में पूछा गया तो वह कहते हैं, ष्मुझे लगता है कि यह बहुत जल्द होगा। नामांकन दाखिल किए जा रहे हैं। पशुपति पारस के हाजीपुर से चुनाव लड़ने के बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कोई समस्या ही नहीं है। मैं चुनौतियों से कभी नहीं डरा। मैंने हमेशा चुनौतियों का बहादुरी से सामना किया है। इसलिए आज मैं यहां खड़ा हूं। मुझे खध्त्म करने की कोशिश की गई। लेकिन मैं हर चुनौती के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि चाचा हमेशा कहते थे कि मैं प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमेशा खड़ा रहूंगा। ऐसे में क्या वह मिशन 400 पार में बाधा बनेंगे? भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार की 17 सीट, जनता दल (यूनाइटेड) 16 सीट और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) पांच सीट पर चुनाव लड़ेगी। सीट बंटवारे को लेकर हुए समझौते में राजग में शामिल केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के दावे को नजरअंदाज किया गया है और उसे एक भी सीट नहीं दी गई है। यहां भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा महासचिव व बिहार मामलों के प्रभारी विनोद तावड़े ने यह घोषणा की। यह पहली बार होगा जब भाजपा को बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जद (यू) की तुलना में अधिक सीटें मिली हैं।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में जज जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं का विरोध किया, जिसमें चुनाव आयुक्तों का चयन करने वाले पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया था। इसमें आरोप लगाया गया कि असमर्थित और हानिकारक बयानों के आधार पर राजनीतिक विवाद पैदा करने की कोशिश की गई। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में दायर एक हलफनामे में, सरकार ने याचिकाकर्ताओं के इस आरोप को खारिज कर दिया कि ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को शीर्ष अदालत द्वारा पारित किसी भी आदेश को रोकने के लिए 14 मार्च को जल्दबाजी में नियुक्त किया गया था। सरकार ने तर्क दिया कि इतने बड़े पैमाने पर आम चुनाव के कारण एक सीईसी के लिए अकेले अपने कार्यों का निर्वहन करना मानवीय रूप से संभव नहीं होगा। सरकार ने कांग्रेस नेता जया ठाकुर और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा अधिनियम के खिलाफ दायर याचिका के जवाब में दायर किया था। याचिका में कहा गया था कि चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कार्यपालिका के हाथों में छोड़ना लोकतंत्र के स्वास्थ्य और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संचालन के लिए हानि कारक होगा।

अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, चुनाव कैंपेन के चलते अब 10 जुलाई तक समन नहीं भेजेगी ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद (सांसद) अभिषेक बनर्जी के उस अनुरोध को स्वीकार कर लिया, जिसमें अप्रैल और जून के बीच होने वाले आम चुनावों के पूरा होने तक मनी लॉन्ड्रिंग मामले से संबंधित जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को उन्हें बुलाने से रोकने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ 10 जुलाई को दिल्ली में पूछताछ के लिए ईडी के समन को चुनौती देने वाली बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि याचिकाकर्ता एक सांसद है और वह आम चुनाव लड़ रहा है, जिसके मद्देनजर मामले को जुलाई तक के लिए टाल दिया जाए। अदालत ने कहा कि इस मामले को 10 जुलाई को सूचीबद्ध करें। अदालत ने बनर्जी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया कि सांसद को सितंबर 2021 से तलब नहीं किया गया है और संघीय एजेंसी को आगामी लोकसभा चुनाव पूरा होने तक उन्हें नहीं बुलाने के लिए कहा जाना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि वह एक मौजूदा सांसद हैं और 1 जून को होने वाले डायमंड हार्बर से फिर से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ईडी को चुनाव के बीच उन्हें समन न करने के लिए कहा जाना चाहिए। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर–जनरल एसवी राजू द्वारा प्रतिनिधित्व की गई एजेंसी से पूछा कि क्या वह अनुरोध स्वीकार करने को तैयार है। इसमें राजू से कहा गया कि अगर आपने उन्हें इतने लंबे समय तक नहीं बुलाया है।

एक विकसित देश बनने के लिए रोडमैप बना रहा है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में स्टार्टअप महाकुंभ को संबोधित किया। अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि स्टार्टअप लॉन्च तो बहुत लोग करते हैं, राजनीति में तो ये बहुत ज्यादा होता है और बार बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उनमें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं, एक अगर लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कई लोग स्टार्टअप को श्लॉन्चश करने की कोशिश करते हैं, खासकर राजनीति में, कभी–कभी कई बार... आपमें और उनमें अंतर यह है कि आप प्रयोगात्मक हैं। एक लॉन्च की विफलता के बाद आप नए विचारों को आजमाते हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जब देश 2047 के विकसित भारत के रोडमैप पर काम कर रहा है, ऐसे समय में मुझे लगता है कि इस स्टार्टअप महाकुंभ का बहुत महत्व है। बीते दशकों में हमने देखा है कि भारत ने कैसे प्ज और वजिूंतम सेक्टर में अपनी छाप छोड़ी है। अब हम भारत में इनोवेशन और स्टार्ट–अप कल्चर का ट्रेंड लगातार बढ़ता हुआ देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज अगर ग्लोबल स्टार्ट–अप स्पेस के लिए नई उम्मीद, नई ताकत बनकर उभरा है, तो इसके पीछे एक सोचा समझा विजन रहा है। भारत ने सही समय पर सही निर्णय लिए हैं। सही समय पर जंतज–नचे को लेकर काम शुरू किया। मोदी ने कहा कि आज, ऊर्जा और जीवंतता अद्भुत है! स्टालों पर घूमते हुए और आपके आविष्कारों को देखते हुए, मैं यह महसूस कर सकता हूं कि भारत के भविष्य में कई यूनिकॉर्न और डेकाकॉर्न हैं। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए भारत ने सही समय पर सही फैसले लिये। उन्होंने कहा कि देश ने स्टार्टअप इंडिया अभियान के तहत प्रगतिशील विचारों को एक प्लेटफॉर्म दिया, उनको फंडिंग के सोर्स से कनेक्ट किया। शैक्षणिक संस्थानों में इनक्यूबेटर स्थापित करने का अभियान भी चलाया और उसकी बाल वाटिका के रूप में हमने श्अटल टिंकरिंग लैबश शुरू की। उन्होंने कहा कि भारत की स्टार्टअप क्रांति का नेतृत्व आज देश के छोटे शहरों के युवा कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि आज एग्रीकल्चर, टेक्सटाइल, मेडिसिन, ट्रांसपोर्ट, स्पेस और यहां तक कि योग और आयुर्वेद के स्टार्टअप भी शुरू हो चुके हैं। प्रध ानमंत्री ने कहा कि स्पेस के 50 से अधिक सेक्टर्स में भारत के स्टार्टअप्स बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। पहले से हमारे स्टार्टअप अंतरिक्ष शटल लॉन्च करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति का सामर्थ्य आज पूरी दुनिया देख रही है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने मंत्रिमंडल का विस्तार किया

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के नए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पहले मंत्रिमंडल विस्तार में मंगलवार को आठ विधायकों को शामिल किया गया, जिससे मुख्यमंत्री सहित मंत्रिपरिषद की कुल संख्या 14 हो गई है। पूर्व गृहमंत्री अनिल विज, जो पिछले सप्ताह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए थे, इस बार भी स्पष्ट रूप से गैरहाजिर थे। हालांकि, उन्होंने मीडिया से कहा कि उन्हें समारोह के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वह निराश नहीं हैं। हरियाणा में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 14 मंत्री हो सकते हैं। पिछले हफ्ते नायब सिंह सैनी और पांच मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया गया था। मंगलवार को चंडीगढ़ में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने दो बार के विधायक कमल गुप्ता और सीमा त्रिखा को नए कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई। पेशे से डॉक्टर गुप्ता जहां हिसार से विधायक हैं, वहीं हरियाणा कैबिनेट में एकमात्र महिला मंत्री सीमा त्रिखा बडखध्ल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। गुप्ता पिछली मनोहर लाल खट्टर कैबिनेट में भी मंत्री थे। पानीपत (ग्रामीण) विधायक महिपाल ढांडा और अंबाला शहर विधायक असीम गोयल ने राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली। कमीशन एजेंट से विधायक बने गोयल ने पूर्व मंत्री विनोद शर्मा को हराया था। स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले अन्य लोगों में नांगल चौधरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले अभे सिंह यादव, थानेसर के विधायक सुभाष सुधा, बवानी खेड़ा के विधायक बिशंबर सिंह वाल्मीकि और सोहना का प्रतिनिधित्व करने वाले संजय सिंह शामिल हैं। नायब सिंह सैनी ने 12 मार्च को पांच कैबिनेट सहयोगियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। 12 मार्च की सुबह निवर्तमान सीएम मनोहर लाल खट्टर और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जेजेपी के तीन सदस्यों सहित पूरे मंत्रिमंडल के इस्तीफा देने के बाद पार्टी की बैठक के दौरान सैनी का नाम सर्वसम्मति से तय किया गया। राज्य की 8 प्रतिशत आबादी वाले ओबीसी समुदाय पर मजबूत पकड़ के साथ नायब सैनी राज्य में चुनाव होने तक सात महीने के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे। सीएम सैनी के अलावा, 12 मार्च को शपथ लेने वाले अन्य लोग थे कंवर पाल गुज्जर, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह चौटाला, जे.पी. दलाल और बनवारीलाल। इस समय हरियाणा मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री के अलावा 13 मंत्री हैं, जिनमें 12 भाजपा से और एक निर्दलीय विधायक हैं।

मोदी के शासनकाल में भारत को वैश्विक पहचान मिली – कोविंद

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को कहा कि देश ने हाल के वर्षों में वैश्विक पहचान हासिल की है। कोविंद ने अपनी विदेश यात्राओं को याद करते हुए कहा कि मेजबान देशों के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति, भारतीय राष्ट्रपति का हवाईअड्डे पर स्वागत करने के लिए ''एक–दूसरे से होड़ करते'' थे। कोविंद ने बठिंडा में केंद्रीय विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में विदेश यात्रा की तो उनके समकक्ष ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया जबकि पूर्व में इसके विपरीत भारतीय राष्ट्रपति का स्वागत किसी मंत्री द्वारा किया जाता था जो उन्हें राष्ट्रपति भवन या होटल तक ले जाता था। उन्होंने कहा कि प्रध ानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के आने के बाद यह बदल गया। उन्होंने कहा, ''मैं यहां मोदी जी की तारीफ करने के लिए नहीं खड़ा हूं लेकिन नाम लेना ही पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि अन्य देश में उतरने के बाद भारतीय राष्ट्रपति के साथ उनके वाहन में बैठने का मौका देने के लिए विदेश मंत्रालय को अनुरोध ा प्राप्त हुए। उन्होंने कहा, ''यह उस वैश्विक पहचान को दर्शाता है जो भारत ने हासिल की है।'' कोविंद ने राष्ट्र की हाल की उपलब्धियों पर जोर देते हुए कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने एयरोस्पेस, रक्षा प्रौद्योगिकी, कूटनीति और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस समारोह के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि दी गई। विजय भटकर, हरजीत सिंह सभरवाल और जसपिंदर नरूला को भी मानद उपाधि दी गई। कोविंद ने अपने–अपने विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 45 मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किए।

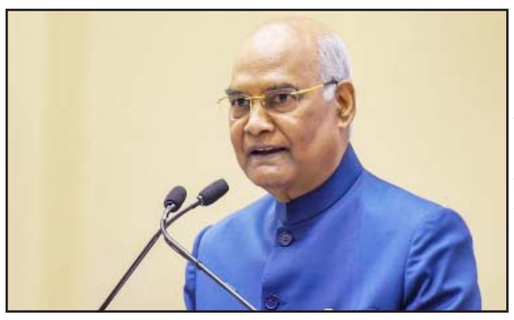

राष्ट्रपति ने केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस का इस्तीफा स्वीकार किया

बिहार, एजेंसी। इससे पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने पारस के प्रतिद्वंद्वी, उनके भतीजे चिराग पासवान की अगुवाई वाली लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) को पांच सीट देने की घोषणा की थी। पारस ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर बातचीत में अपनी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) को शामिल नहीं करके उसके साथ नाइंसाफी करने का आरोप लगाया था। इससे पहले सोमवार को भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने पारस के प्रतिद्वंद्वी, उनके भतीजे चिराग पासवान की अगुवाई वाली लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) को पांच सीट देने की घोषणा की थी।

राष्ट्रपति भवन के बयान के अनुसार, ''राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर पशुपति कुमार पारस का केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।'' इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर किरेन रीजीजू को उनके मौजूदा विभाग के अतिरिक्त खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का कामकाज भी देखने का निर्देश दिया है।

मोदी के साथ चट्टान की तरह खड़ी हैं देश की महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राहुल गांधी की शक्ति टिप्पणी पर जवाब दिया और कहा कि कांग्रेस नेता ना तो हमारी परंपरा को जानते हैं और न ही उसका सम्मान करते हैं। एक नीजी चौलन पर बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि देश की महिलाएं पीएम मोदी के साथ चट्टान की तरह खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों से हमारे देश में मातृशक्ति को सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। मां के आशीर्वाद से बड़ा कोई आशीर्वाद नहीं हो सकता है और बहन के स्नेह से बड़ा कोई स्नेह नहीं हो सकता है। उन्होंने वार करते हुए कहा कि राहुल गांधी को मालूम नहीं है कि वो क्या बाल रहे हैं। मोदी जी के साथ इस देश की नारी शक्ति चट्टान की तरह खड़ी है। नारी शक्ति ने ठाना है कि इस बार चुनाव में राहुल गांधी को शक्ति का परिचय जरूर कराना है। विपक्ष पर वार करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस की पॉलिसी ही है कि इस देश के दो टुकड़े होने चाहिए, साउथ इंडिया और नार्थ इंडिया। लेकिन राहुल बाबा आप चिंता न करें, अब भाजपा इतनी ताकतवार है कि कांग्रेस दूसरी बार देश का विभाजन नहीं कर पाएगी। हम देश के टुकड़े नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने वोट बैंक बनाने के लिए भ्रांति फैलाई कि सीएए से देश के अल्पसंख्यकों की नागरिकता छीन ली जाएगी, लेकिन सीएए से किसी की नागरिकता नहीं जाएगी बस पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता दी जाएगी। इस देश के मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। सीएए नागरिकता लेने का कानून नहीं है, नागरिकता देने का कानून है। अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि ममता के मंत्री के घर से 51 करोड़ रुपये मिलते हैं, कांग्रेस के सांसद के घर से 355 करोड़ रुपये मिलते हैं और ये कहते हैं कि कार्रवाई ही न हो। नोटों की गड्डियां भरने के लिए मेटाडोर लाने पड़ते हैं। देश की जनता को राहुल बाबा बता सकते हैं कि ये पैसा कहां जाने वाला था? उन्हें इसका जवाब देना चाहिए। जो करप्शन करेगा, उस पर कठोर कार्रवाई होगी, वो जेल के पीछे जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं देश की जनता के सामने कहना चाहता हूं कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कालेधन पर तेजी से कार्रवाई की गई है। म्क ने जितनी भी संपत्तियां कुर्क की हैं, उसमें से सिर्फ 5 प्रतिशत ही राजनीतिक दलों से जुड़े हुए लोगों की हैं।

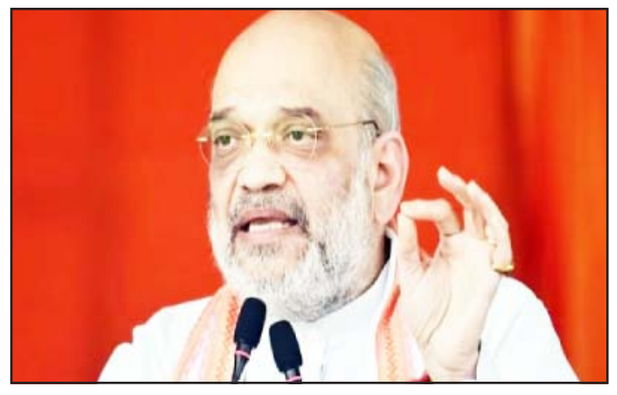

संपादकीय

मतदाताओं का ध्यान

यह प्रदर्शित करने के लिए मजबूर किया गया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियम वास्तव में व्यावहारिक हैं, नरेंद्र मोदी शासन में कनिष्ठ मंत्री, मतुआ समुदाय के शांतनु ठाकुर ने नए नियमों के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने का अपना इरादा घोषित किया है। उनकी तीव्र घोषणा यह साबित करती है कि नए नियमों के तहत नागरिकता आवेदनों के सबसे मजबूत पैरोकार भी समझते हैं कि प्रक्रिया में खामियां हैं। केंद्र सरकार में एक मंत्री के रूप में, ठाकुर को नागरिक बनने के लिए आवेदन क्यों करना पड़ता है, यह एक सवाल है जो पश्चिम बंगाल में हंसी का पात्र है। उनके इस कदम से राज्य में मटुआ समुदाय के हजारों सदस्यों के लिए समस्या का पता चलता है, जो अपनी स्थिति की पुष्टि करने वाले नागरिकता आवेदन के बिना भी सरकारी सेवकों, रक्षा कर्मियों और अर्धसैनिक सेवाओं में कार्यरत हैं। जो लोग सरकारी सेवाओं में कार्यरत नहीं हैं और भारत में रह रहे हैं वे नागरिक हैं, जैसे ठाकुर हैं। ममता बनर्जी के लिए, ठाकुर का कबूलनामा उस उपहार के लिए एक बोनस है जो मोदी शासन ने सीएए नियमों को अधिसूचित करके उन्हें दिया था। यह घोषित करने के बाद कि 1971 में बांग्लादेश से आए लोग समान अधिकार वाले नागरिक थे और पश्चिम बंगाल में कोई हिरासत शिविर नहीं होंगे, सीएए पर मटुआ समुदाय के भीतर भ्रम की स्थिति इस बात की पुष्टि करती है कि बनर्जी हमेशा से सही रही हैं और मोदी शासन सही था। सीमा पार से आकर बसने वालों की पहचान के बारे में संदेह पैदा करके आबादी को विभाजित करने का इरादा है। नागरिकता का हौव्वा खड़ा करके बांग्लादेश सीमा पर हिंदू वोटों को हड़पने की भाजपा की उम्मीदों से अधिसूचना से मिलने वाला लाभ नहीं मिल पाएगा। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की आग को भड़काने में अपनी विफलता के कारण अवसर की हानि कम से कम आधा दर्जन लोकसभा क्षेत्रों को प्रभावित करेगी जहां पार्टी सीएए ष्मास्टरस्ट्रोकष के बाद अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर सकती थी। तेजी से बदलती घटनाओं ने संदेशखाली, सुदूर सुंदरबन द्वीप जैसे मुद्दे की राजनीतिक प्राथमिकता बदल दी है, जहां वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस के एक ताकतवर नेता को सीबीआई की हिरासत में रखा जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर जनता का ध्यान आकर्षित करने से लेकर, यह उस स्तर तक गिर गया है जहां यह पश्चिम बंगाल में मोदी के प्रचार अभियान के साथ–साथ कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में तृणमूल के 42 चुनाव उम्मीदवारों को पेश करने के लिए रैंप वॉक करने वाली बनर्जी दोनों के लिए एक पूरक के रूप में काम करता है। अब ऐसा प्रतीत होता है कि संदेशखाली स्क्रीन पर एक ब्लिप था जो तेजी से लुप्त हो रहा है क्योंकि राजनीतिक प्रतिस्पर्धी पूरे पश्चिम बंगाल में मतदाताओं के दिल और दिमाग पर कब्जा करने या उन्हें बनाए रखने के लिए एक बड़ी लड़ाई में लगे हुए हैं। यह बदलाव निश्चित रूप से राजनीतिक रूप से बनर्जी के लिए एक छोटी सी राहत है, क्योंकि वह अपने क्षेत्र की रक्षा करने, महिला विरोधी और जनविरोधी होने के आरोप का मुकाबला करने और गरीबों के लिए एक पार्टी के रूप में भाजपा के प्रदर्शन को चुनौती देने के लिए तैयार हो गई हैं। जनता की कल्पना पर कब्जा करने की होड़ एक ओर भाजपा और दूसरी ओर कांग्रेस, क्षेत्रीय और छोटी पार्टियों के बीच प्रतिस्पर्धा है। यह लड़ाई बड़े पैमाने पर 2019 में मोदी शासन द्वारा दी गई गारंटियों की पूर्ति और देश भर में उनके द्वारा दी गई गारंटियों के अगले दौर को लेकर है। पश्चिम बंगाल में, महिलाओं, स्कूल जाने वाले छात्रों, बेरोजगार युवा पुरुषों और महिलाओं, बीमारों और बूढ़ों को तत्काल राहत और नकद हस्तांतरण देने की ममता सरकार की गारंटी उस सुरक्षा जाल का हिस्सा है जिसे उन्होंने कम करने के लिए रखा है। गरीबी का प्रभाव और अवसरों तक पहुंच। गारंटर मोदी बनाम अन्य गारंटर बनर्जी की विश्वसनीयता के बीच गारंटी–बनाम–गारंटी की लड़ाई, उन राज्यों में दोहराई जाने वाली एक पैटर्न है जहां क्षेत्रीय दल सत्ता में हैं। यह तर्क दिया जा सकता है कि यह प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद है। यह भी तर्क दिया जा सकता है कि सत्तारूढ़ तृणमूल जैसी क्षेत्रीय पार्टियां केंद्र की नीतियों और कल्याण कार्यक्रमों द्वारा छोड़ी गई सेवाओं और अधिकारों के घाटे को कवर करने के तरीके खोजने के लिए मजबूर हैं। हाल की सार्वजनिक रैलियों में, यह अपरिहार्य था कि बनर्जी ने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मोदी सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के तहत 23 लाख लोगों के बकाया भुगतान और प्रधानमंत्री के तहत भुगतान जारी करने को दो साल के लिए रोककर पश्चिम बंगाल में गरीबों को दंडित किया है। आवास योजना. यह बिल्कुल पूर्वानुमानित था कि मोदी उज्ज्वला और आयुष्मान भारत योजनाओं के तहत लाभों के प्रवाह को अवरुद्ध करने और राज्य के विकास में बाधा डालने के लिए पश्चिम बंगाल शासन पर हमला करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि पश्चिम बंगाल मोदी के लिए है, जैसा कि बनर्जी के लिए है, 2024 में वोटों के लिए युद्ध का एक महत्वपूर्ण रंगमंच है। राज्य भाजपा के लिए जो स्पष्ट अवसर प्रदान करता है, उसके अलावा वह लगभग 70 सीटें पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। मोदी के 370 सीटों के लक्ष्य को पूरा करने के लिए इसमें वह दर्द और अपमान भी शामिल है जो उसे 2021 में झेलना पड़ा जब उसने राज्य पर कब्जा करने और भाजपा सरकार स्थापित करने के लिए कोई रोक–टोक नहीं की। यह सिलीगुड़ी में मोदी के भाषण से स्पष्ट था।

अभियान सुधारों पर सबसे पहले कम लटके फलों को तोड़ें

आदित्य

बहुत समय पहले ऐसा समय नहीं था जब नागरिक अपनी राय व्यक्त करते समय पूरी तरह से अवमानना की भावना, जो लगभग राजनीतिक वर्ग के प्रति गहरी नफरत की सीमा पर होती थी, दिखाई देती थी। आईआईएम प्रोफेसर और एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के संस्थापक सदस्य जगदीप एस छोकर ने एक बार 1999 के आम चुनावों के बाद संपादक को लिखे एक पत्र का हवाला दिया था, जिसमें लेखक ने कहा थारू "भगवान का शुक्र है! पार्टियों द्वारा एक–दूसरे के साथ मौखिक शोर–शराबा, गालियाँ देना और आरोपों का आदान–प्रदान खत्म हो गया है... स्व–नियुक्त नेताओं का यह समूह ऐसे संकीर्ण दृष्टिकोण के साथ किन लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रचार करेगा? जिस दिन हम अपना वोट डालते हैं उसी दिन हमारा लोकतंत्र खध्त्म हो जाता है।" 1981 में एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता, जो बाद में भारत के उपराष्ट्रपति बने, कृष्ण कांत ने कहा थारू "जबकि 1950 के दशक में एक सांसद या विधायक को लोगों का प्रतिनिधि माना जाता था, 1960 के दशक में उन्हें जनता का प्रतिनिधि ा माना जाने लगा। उनके समर्थकय और अब लोग सोचते हैं कि वे अपने दलालों को चुनते हैं।" कृष्णकांत के आकलन को राजीव गांधी ने 1985 में इसी शब्द का उपयोग करते हुए दोहराया था जब उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं की सत्ता–दलाल के रूप में कार्य करने की प्रवृत्ति की निंदा की थी। हालाँकि, न तो कृष्णकांत और न ही राजीव गांधी ने राजनेताओं की विश्वसनीयता बहाल करने के लिए कुछ भी किया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रदर्शन की बदौलत राजनेताओं के प्रति लोकप्रिय सम्मान काफी हद तक बहाल हो गया है। प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित चीजों को कार्यान्वित किया जा सकता है। इससे आम तौर पर राजनीतिक वर्ग के प्रति समग्र तिरस्कार में काफी कमी आई है। राजनीति और राजनेताओं के प्रति ऐसी अवमानना लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। अब जबकि जमीनी हालात काफी हद तक बदल गए हैं, तो क्या हम चुनावी अभियानों की गुणवत्ता में भी सुधार की उम्मीद कर सकते हैं? चूँकि चुनाव आयोग ने चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है, सामान्य तौर पर राजनीतिक चर्चा और विशेष रूप से चुनाव अभियान की गुणवत्ता का प्रश्न और भी अध्िक प्रासंगिक हो जाता है। आदर्श रूप से, चुनाव अभियान राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों की सार्वजनिक जवाबदेही, प्रमुख मुद्दों

पर सार्वजनिक शिक्षा और अन्य समय की तुलना में कहीं अधिक प्रामाणिक तरीके से राय बनाने की गंभीर कवायद के बारे में होना चाहिए। दुख की बात है कि हम पाते हैं कि वर्षों से प्रचार के हमारे स्थापित तरीकों में, ब्लिट्जक्रेग, हल्ला–गुल्ला और बुरी–बुरी बातों ने जवाबदेही, शिक्षा और राय बनाने को हाशिए पर धकेल दिया है। यह हमारे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। आरंभ करने के लिए, निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही के तत्व को मजबूत करने के लिए कई व्यावहारिक उपाय किए जा सकते हैं। एक निर्वाचित प्रतिनिधि को मूल रूप से लोगों की सेवा करने के लिए जनादेश मिलता है। इसलिए, यह मतदाताओं का अधिकार है कि वे अपने प्रतिनिधि द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित हों। उस अंत तक, क्या हम सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को मतदाताओं को वार्षिक रिपोर्ट दाखिल करने के लिए बाध्य करने वाला नियम नहीं बना सकते? ऐसी रिपोर्ट में विध ायिका में प्रतिनिधियों के प्रदर्शन को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए। स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के विवेकपूर्ण उपयोग का विवरण इसमें अवश्य होना चाहिए। इसमें यह उल्लेख होना चाहिए कि प्रतिनिधि किस हद तक यह सुनिश्चित करने में सक्षम है कि अधिकतम संख्या में पात्र व्यक्तियों ने सरकारी कल्याण कार्यक्रमों और विकास योजनाओं का लाभ उठाया है। एक निर्वाचित प्रतिनिधि को दिए गए आश्वासनों और उन पर कार्रवाई के बारे में एक बयान दर्ज करने के लिए भी बाध्य किया जाना चाहिए। संबंधित स्तरों पर चुनाव लड़ रहे दलों द्वारा घोषणापत्रों का अनिवार्य प्रकाशन, उसके बाद की गई कार्रवाई की अनिवार्य रिपोर्ट बहुत मददगार साबित होगी। यहां तक कि चुनाव हारने वाली पार्टियों से भी अपने वादों को पूरा करने के प्रयासों के बारे में जानकारी देने के लिए कहा जा सकता है। यदि ऐसे उपाय लागू किए जाते हैं, तो वे स्वचालित रूप से एक प्रतिनिधि की प्रगति रिपोर्ट तैयार करने में मदद करेंगे, जिससे सूचित मतदान की सुविधा होगी। ये जवाबदेही उपाय रेवड़ी वितरण के माध्यम से लोकप्रिय समर्थन हासिल करने के प्रयासों को रोक देंगे। जितना अधिक हम अपने निर्वाचित प्रतिनिधि ायों को मतदाताओं के प्रति जवाबदेह बनाएंगे, हमारे अभियानों को स्वच्छ बनाने और उन्हें अनुचित प्रथाओं से मुक्त करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। जवाबदेही के अलावा, सार्वजनिक या मतदाता शिक्षा के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास जरूरी हैं। लोकतंत्र के समग्र स्वास्थ्य के लिए पसंद के तत्व की केंद्रीयता को ध्यान में रखते हुए, शिक्षा को मतदाताओं को सूचित निर्णय लेने में मदद करनी चाहिए। जाहिर तौर पर, मतदाता शिक्षा के प्रयासों को बहु–आयामी बनाना होगा और चुनावों के बीच की पूरी अवधि में चलाया जाना होगा। मतदान से पहले, उम्मीदवारों की संपत्ति का प्रासंगिक विवरण सरकारी टीवी चौनलों और ऑल इंडिया रेडियो पर अनिवार्य रूप से प्रचारित किया जा सकता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि चुनाव संसद के लिए है या राज्य विधानसभा के लिए, उम्मीदवारों के लिए निर्वाचन क्षेत्र घोषणापत्र तैयार करना और प्रचारित करना अनिवार्य किया जाना चाहिए। ऐसे उपायों से वैश्विक और राष्ट्रीय चिंता के मुद्दों को स्थानीय स्थितियों के साथ जोड़ने में मदद मिलेगी।

पाक से क्यों खफा हैं इस्लामिक मुल्क

आर.के

पाकिस्तान में आजकल सिर्फ अंदरूनी हालात ही खराब नहीं हैं, उसके सामने कई गंभीर संकट और भी हैं। उसे उसके दो पड़ोसी देश , जो उसकी तरह से ही इस्लामिक देश हैं, उससे सखध्त नाराज हैं। पहले ईरान और अब अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। फिलहाल अफगानिस्तान और पाकिस्तान आमने–सामने हैं। दोनों मुल्कों क बीच सरहद पर झड़प भी हुई है। झड़प की शुरूआत पाकिस्तान की तरफ से विगत सोमवार को हुई थी। इसके जवाब में, अफगान तालिबान ने भी सीमा पर पाकिस्तानी चौकियों पर गोलीबारी की। ऐसे में सवाल है कि क्या दोनों देश युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? पाकिस्तान के हमलों के बाद तालिबान ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता पर किसी भी तरह के उल्लंघन के गंभीर परिणाम होंगे। इसके साथ ही तालिबान ने पाकिस्तान की नवगठित सरकार से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को खतरे में डालने के लिए गैर–जिम्मेदाराना कार्यों की अनुमति नहीं देने का भी आग्रह किया। दरअसल पाकिस्तान में हाल के आतंकवादी हमलों को लेकर दोनों देशों के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी है। पाकिस्तान का आरोप है कि हमले अफगानिस्तान की सरजमीं से किए गए थे। जबकि, तालिबान ने पाकिस्तान के इस दावे को गलत बताया है। आपको याद होगा कि बीते जनवरी के महीने में पाकिस्तान के आतंकवादियों के ठिकानों पर ईरान ने हमला बोला था। ईरान ने पिछली 16 जनवरी को पाकिस्तान में आतंकवादी समूह जैश अल–अदल के ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए थे। ईरान की सरकारी मीडिया के हवाले से कहा गया था कि हमले में मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। ईरान ने पाकिस्तान में बलूची आतंकी समूह जैश–अल–अदल के दो ठिकानों को मिसाइलों से निशाना बनाया था। ईरान ने आठ साल पहले सन 2016 में भी पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर मोर्टार दागे थे। इसलिए कहा जा सकता है कि ईरान पहले भी पाकिस्तान को निशाना बना चुका है। पाकिस्तान और ईरान के बीच 900 किलोमीटर की सीमा है। उध्र, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच करीब 2400 किमी० लम्बी अन्तराष्ट्रीय सीमा है। इसका नाम डूरण्ड रेखा है। दरअसल पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंध तब से लगातार खराब होने लगे जब पाकिस्तान ने पिछले साल अपने देश से अवैध अफगानों को निकालने का सिलसिला शुरू किया। पाकिस्तान से रोज सैकड़ों अफगान अपने देश वापस लौट रहे हैं। पाकिस्तान की इस कार्रवाई पर हजारों अफगानिस्तानियों का कहना है कि वे गुजरे कई दशकों से पाकिस्तान में हैं। वे पाकिस्तान के नागरिकता भी ग्रहण कर चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। यहां पर बड़ा सवाल यही है अपने को इस्लामिक संसार का नेता कहने वाले पाकिस्तान से इस्लामिक मुल्क ही खफा क्यों है? इस सवाल का सीधा सा उत्तर है कि पाकिस्तान के डीएनए में ही अपने पड़ोसियों के लिए संकट पैदा करना है। उसने भारत के खिलाफ क्या–क्या हथकंडे नहीं अपनाए। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 1948, 1965, 1971 में युद्ध छेड़े और बुरी तरह से मार भी खाई। जंग के मैदान में धूल में मिलने के बाद पाकिस्तान ने 1999 में करगिल में घुसपैठ की। तब भी उसका बहुत बुरा हश्र हुआ। पाकिस्तान के साथ दिक्कत यही है कि वह बुरी तरह पिटने के बाद भी सबक नहीं लेता। उसे बार–बार पिटने की आदत सी हो गई है। फिलहाल वह ईरान और अफगानिस्तान से पिटने के लिये तैयार है। अब पाकिस्तान के बांगलादेश से संबंधों की भी जरा बात कर लीजिए। 1971 तक बांग्लादेश हिस्सा था, पाकिस्तान का। अब दोनों जानी दुश्मन हैं। दोनों एक–दूसरे को फूटी नजर भी नहीं देख पाते। क्यों? बांग्लादेश ने 1971 के नरसंहार के गुनाहगार और जमात–ए–इस्लामी के नेता कासिम अली को फांसी पर लटकाया तो पाकिस्तान को तकलीफ होने लगी। बांग्लादेश ने साफ शब्दों में कह दिया कि वह पाकिस्तान की ओर से उसके आतंरिक मसलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। दोनों मुल्कों के संबंधों में तल्खी को समझने के लिए इतिहास के पन्नों को खंगाल लेना सही रहेगा। शेरे–ए–बंगाल कहे जाने वाले मुस्लिम लीग के मशहूर नेता ए.के.फजल–उर– हक ने ही 23 मार्च,1940 को लाहौर के मिन्टो पार्क (अब जिन्ना पार्क) में मुस्लिम लीग के सम्मेलन में पृथक राष्ट्र पाकिस्तान का प्रस्ताव रखा था। उस तारीखी सम्मेलन में संयुक्त बंगाल के नुमाइंदों की बड़ी भागेदारी थी। वे सब भारत के मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र की मांग कर रहे थे। सात साल के बाद 1947 में पाकिस्तान बना और फिर करीब 25 बरसों के बाद खंड–खंड हो गया। ईस्ट पाकिस्तान बांग्लादेश के रूप में दुनिया के मानचित्र पर सामने आता है। यानी पाकिस्तान से एक और मुल्क निकला। और, जो दोनों मुल्क कभी एक ही मुल्क के हिस्सा थे, अब एक–दूसरे की जान के प्यासे हो गए हैं। 1971 में जिस नृंशसता से पाकिस्तानी फौजों ने ईस्ट पाकिस्तान के लाखों लोगों का कत्लेआम किया था, उसको लेकर ही दोनों मुल्क लगातार आमने–सामने रहते हैं।मैं स्वयं इस नरसंहार का प्रत्यक्षदर्शी हूँ।मैं उस समय युद्ध संवाददाता के रूप में लगभग डेढ़ वर्ष भारतीय सेना के साथ बांग्लादेश के स्वतंत्रता आंदोलन में रहा था।बांग्लादेश में उस कत्लेआम के गुनाहगारों को लगातार साक्ष्य के आधार पर न्यायालय से दंड मिलता रहा है। यह बात पाकिस्तान को गले नहीं उतरती। पाकिस्तानी सीरियलों और नाटकों में बांग्लादेशियों को बेहद हिकारत से दिखाया जाता है। उन्हें दोयम दर्जे का इंसान बताया जाता है। अब समझ लें कि पाकिस्तान समाज कितनी बेशर्मी से बांग्लादेशी मुसलमानों का मजाक बनाता है। वैसे पाकिस्तान अपने को सारी दुनिया के मुसलमानों के पक्ष में खड़ा होने का दावा करता है।बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भी पाकिस्तान से शिकायत रही है कि वह हर उस मौके पर बांग्लादेश सरकार को कोसता है जब वहां पर 1971 के मुक्ति संग्राम के गुनाहगारों को फांसी दी जाती है।

यानी पाकिस्तान से सब नाखुश और नाराज हैं। इस बीच, पाकिस्तान में तो आजकल हाहाकार मच हुआ है। महंगाई के कारण आम पाकिस्तानी दाने–दाने को मोहताज है। रमजान के महीने में लोग भारी कष्ट उठा रहे हैं। बेरोजगारी, अराजकता, कठमुल्लों और मोटी तोंद वाले सेना के अफसरों ने पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। ये स्थिति दुखद और दुभार्ग्यपूर्ण है। पर इस स्थिति के लिए पाकिस्तान खुद ही जिम्मेदार है। उसने शिक्षा की बजाय सेना के बजट को बढ़ाया है। इसलिए वह लगातार गर्त में जा रहा है। उससे इस्लामिक देश भी संबंध बनाकर रखने को तैयार नहीं हैं।

कर्नाटक बीजेपी खेमे में असंतोष, कांग्रेस में उदासीनता

ललित

कर्नाटक में कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही मुश्किल हालात में दिख रही हैं। जहां कांग्रेस कई निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों को खोजने के लिए संघर्ष कर रही है, वहीं राज्य की 28 लोकसभा सीटों में से 20 पर उम्मीदवारों की घोषणा के बाद भाजपा को कुछ सीटों पर विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है। दोनों पार्टियों के लिए दक्षिणी राज्य के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। भाजपा यहां अच्छा प्रदर्शन कर रही हैय इसने 2019 में 25 सीटें जीतीं और एक निर्दलीय, फिल्म स्टार और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबरीश की पत्नी सुमालता को जीत दिलाने में मदद की। लोकसभा में 370 सीटों के अपने सपने को साकार करने के लिए पार्टी के लिए दक्षिण भारत में प्रवेश द्वार महत्वपूर्ण है, जबकि यहां से अच्छी सीटें कांग्रेस के लिए पिछले दो आम चुनावों में हुई बदनामी से बाहर निकलने के लिए महत्वपूर्ण हैं। करीब एक साल पहले विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस ने इस बार 20 सीटों का लक्ष्य रखा है. भाजपा जद (एस) के साथ गठबंधन में है, जिसने 2019 में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। पिछले कुछ हफ्तों में, कांग्रेस ने सिद्धारमैया सरकार के लगभग 10 मंत्रियों को चुनाव लड़ने के लिए मनाने के लिए संघर्ष किया है, लेकिन सभी ने इनकार कर दिया। कुछ अन्य विध ायकों को मनाने की कोशिशें चल रही हैं, लेकिन वे भी अनिच्छुक नजर आ रहे हैं. इसने उन सात सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है जहां उम्मीदवारों को लेकर कोई समस्या नहीं थी। उम्मीदवारों को खोजने का संघर्ष बेंगलुरु शहर की तीन सीटों पर अधिक स्पष्ट है, जिन पर पार्टी लंबे समय से जीत नहीं पाई है। वह 1991 से बेंगलुरु दक्षिण सीट हार रही है। भगवा दल ने नौ मौजूदा सांसदों को हटा दिया (उनमें से कुछ सेवानिवृत्त होना चाहते थे), 10 सांसदों को पार्टी कैडर के विरोध का सामना करने के बावजूद फिर से नामांकित किया, और प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. सीएन मंजूनाथ (बैंगलोर ग्रामीण) सहित सात नए चेहरे लाए। पूर्व पीएम एच डी देवेगौड़ा के दामाद. भाजपा को उडुपी–चिकमंगलूर, मैसूरु, तुमकुर, बीदर, विजयपुरा, कोप्पल, हावेरी, दावणगेरे, चामराजनगर, बेंगलुरु उत्तर, चिकबल्लापुर, चित्रदुर्ग, हासन और उत्तर कन्नड़ में अलग–अलग कारणों से पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व मंत्री और राज्य में भाजपा के संस्थापक सदस्य केएस ईश्वरप्पा ने अपने बेटे केई कंथेश को हावेरी से टिकट नहीं देने पर पार्टी से बगावत कर दी।

सोशल मीडिया के माध्यम से शांति

विनोद

समकालीन समाज ने सोशल मीडिया का बोलबाला देखा है, जो उन सभी लोगों का मुखपत्र है जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत करते हैं। एक ओर, मुक्त भाषण ने सोशल मीडिया पर हानिकारक सामग्री और दुष्प्रचार को बढ़ावा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप साइबरनेटिक संघर्ष हुए हैं – जो आभासी बातचीत से परे लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल रहे हैं। दूसरी ओर, उसी सोशल मीडिया ने शांति के प्रचार–प्रसार का मार्ग प्रशस्त किया है। सोशल मीडिया ने समाज के हर वर्ग के लिए विभिन्न अनुप्रयोगों को प्रस्तुत किया है – जो संघर्ष दस्तों और शांतिदूतों दोनों के लिए समान रूप से सुलभ है, अर्थात, संपूर्ण समुदाय शांति और युद्ध दोनों प्रयासों में संलग्न है। दूसरी ओर, यह हितधारकों को जोखिम में डालता है क्योंकि संघर्ष अधिक लंबे हो गए हैं और उन्हें हल करना या समाप्त करना कठिन हो गया है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का हिस्सा सोशल मीडिया ने नई जटिलताएं पेश की हैं और नए मानदंडों के उद्भव की सुविधा प्रदान की है, विशेष रूप से असमान इंटरनेट पहुंच, घृणास्पद भाषण और प्रचार जैसे मुद्दों के जवाब में। रूस–यूक्रेन युद्ध भले ही सैद्धांतिक रूप से हर देश अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व को मानता है, लेकिन जब व्यवहार की बात आती है, तो कई अपवाद होते हैं क्योंकि सरकारों को राष्ट्र के समग्र हित की रक्षा करनी होती है। ऐसी स्थिति में, सरकारें शत्रुतापूर्ण विचारों या खतरनाक आवाजों को कैसे सहन करती हैं, यह उनके मानवाधिकारों के प्रति उनके दृष्टिकोण को दर्शाता है। रूस–यूक्रेन युद्ध यह समझने के लिए एक अच्छा उदाहरण है कि सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगाए गए प्रतिबंध कोई सार्थक समाधान लाते हैं या नहीं। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद से सोशल मीडिया ने निर्णायक भूमिका निभाई है। सोशल नेटवर्किंग साइटें लड़ाई और बम विस्फोटों के वीडियो, मीम्स और संघर्ष के बारे में संदेशों के अलावा युद्ध पीड़ितों और शरणार्थियों के वसीयतनामा से भर गई हैं। संघर्ष ने संगठित प्रचार अभियानों को भी जन्म दिया है जो दुनिया भर में तेजी से फैल गए, मुख्य रूप से सोशल मीडिया नकली कठपुतलियों के माध्यम से – चर्चाओं या विचारों में हेरफेर करने के लिए नकली ऑनलाइन पहचान। पूरी स्थिति ने एक और समवर्ती अध्ययन की नींव रखी है कि सोशल मीडिया सॉक कठपुतलियाँ सूचना युद्ध में कैसे भूमिका निभाती हैं। बहरहाल, रूस–यूक्रेन संघर्ष में, सूचना युद्ध पारंपरिक प्रचार तक सीमित नहीं रहा है। इसमें डिप्लेटफॉर्माइजेशन को शामिल किया गया है, जिसका अर्थ है सोशल मीडिया नेटवर्क सहित डिलीवरी चौनलों तक पहुंच से इनकार करना। शांति के लिए उपकरण इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि सोशल मीडिया अभी भी अपने प्रारंभिक चरण में है, जब इसे शांति का एक साधन माना जाता है। हालाँकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण तथ्य है कि सोशल मीडिया पहले से ही विभिन्न अन्य क्षेत्रों में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में स्थापित हो चुका है। इस प्रकार, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और मध्यस्थों सहित सभी हितधारकों के माध्यम से शांति स्थापित करने के लिए सोशल मीडिया अनुप्रयोगों का विस्तार, प्रभावशाली संवाद और मध्यस्थता प्रक्रियाओं को स्थापित करेगा। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, मीडिया परिदृश्य मौलिक रूप से बदल रहा है और अधिक से अधिक लोग वेब चौनलों के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, जो मुख्यधारा मीडिया के लिए एक बड़ी चुनौती है। आखध्रिकार, साइबरस्पेस के अपने नियम और मानदंड हैं। हर घर में मौजूद शक्तिशाली स्मार्टफोन और उनके सोशल मीडिया एप्लिकेशन ने हर किसी को ऑनलाइन सामग्री का उपभोक्ता बना दिया है। सर्वव्यापकता और अन्तरक्रियाशीलता सोशल मीडिया की दो महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं जो आभासी प्रभावशाली लोगों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक बड़ी चीज बनाती हैं जो सहकर्मी नेताओं की भूमिका निभाते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से शांति को बढ़ावा देने के लिए, संघर्ष के आभासी माहौल को समझना महत्वपूर्ण है और यह लोगों को कैसे प्रभावित करता है। इसके अलावा, व्हाट्सएप, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफार्मों की जांच करने की आवश्यकता है, क्योंकि ये प्लेटफॉर्म सार्वजनिक कूटनीति के महत्वपूर्ण उपकरण बन गए हैं, जिससे शांतिदूतों के लिए इन अनुप्रयोगों का उपयोग करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। निस्संदेह, सोशल मीडिया बहस, सामाजिक आंदोलनों और राजनीतिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति बन गया है। हालाँकि, दूसरे छोर से, उनका उपयोग हिंसा भड़काने, समाज को विभाजित करने और सशस्त्र समूहों में भर्ती के लिए प्रचारक के रूप में कार्य करने के लिए भी किया जाता है। विविध आवाजें संघर्ष–प्रभावित समूहों और शांतिरक्षकों को दुनिया भर के लोगों को प्रभावित करने के लिए संघर्ष और शांति प्रयासों के बारे में

अपनी विशिष्ट बातें प्रस्तुत करने के लिए सोशल मीडिया तक पहुंच प्राप्त हो सकती है। इसके विपरीत, पूर्ण डीप्लेटफॉर्माइजेशन, यानी, किसी व्यक्ति, समूह या संगठन को सोशल मीडिया से पूरी तरह से हटाना या प्रतिबंधित करना, ऐसी स्वतंत्रता में बाधा उत्पन्न करेगा। निर्बाध सूचना साझा करने के अपने फायदे भी हैं और नुकसान भी। सोशल मीडिया पारंपरिक मीडिया की तुलना में विविध ा आवाजों को अधिक सुनने की अनुमति देता है।

विश्व में लगभग 60 लाख लोग हर साल तम्बाकू के सेवन से अपनी जान गंवाते है - डा. लक्ष्मी सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत एक प्रशिक्षणध

कार्यशाला का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार कक्ष में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमे जनपद के समस्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ए0एन0एम0 और आशा कार्यकत्रियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह द्वारा बताया गया कि विश्व में लगभग 60 लाख लोग हर साल तम्बाकू के सेवन से अपनी जान गंवाते है। 6.5 सेकेण्ड में एक धूम्रपान करने वाले व्यक्ति की मौत होती है। डा0 राजीव कुमार नोडल अधिकारी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम ने बताया कि भारत में कैन्सर से मरने वाले 100 रोगियों में से 40 तम्बाकू के प्रयोग के कारण मरते है। अभी हाल ही में भारत सरकार द्वारा जारी Global Youth Tobacco Survey– 2021 जारी किया गया है, जिसके अनुसार 23 प्रतिशत लडके एवं 24 प्रतिशत लडकियों द्वारा किसी न किसी रूप में तम्बाकू उत्पादों का उपयोग, 22 प्रतिशत विद्यार्थिर्यो द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर परोक्ष धूम्रपान किया जा रहा है। उनके द्वारा युवाओं को तम्बाकू की लत से दूर रखने एवं न्यू जनरेशन को तम्बाकू की जोखिम के कारको से अवगत कराया गया।दिलीप पाण्डेय क्षेत्रीय समन्वयक तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा प्रशिक्षण में आये हुये प्रतिभागियो से अपने–अपने कार्यक्षेत्र में तम्बाकू से होने वाली जानलेवा बीमारियों के प्रति लोगो को जागरुक करने हेतु अनुरोध किया गया। उक्त कार्यशाला में एन0सी0डी0 सेल के समस्त कर्मचारी/अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री जय प्रकाश गुप्ता एफ0एल0सी0 ने किया।

गोवध मुकदमें में वांछित चार अभियुक्तगण गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुंगरा बादशाहपुर थाना अंतर्गत पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को गोवध के मुकदमें में वांछित चार अभियुक्तगणों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में गुरुवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अध ीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराधियों के सम्बन्ध में चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष मुंगराबादशाहपुर बुधवार को हुए गोवंश घटना के शामिल अभियुक्तो की तलाश में इटहरा तिराहे पर मौजूद थे कि मुखबिर से सूचना मिली कि गोवध निवारण अधि0 से सम्बन्धित अभियुक्तगण हाइवे से रामनगर जाने वाली सड़क पर खड़े है।मुखबिर की सूचना पर थानाध यक्ष मय हमराह के साथ दविश देकर अभियुक्तों को रामनगर जाने वाली सड़क के पास गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में रामटहल सरोज पुत्र पुद्दन सरोज निवासी रामपुरदान सन्तलाल गौतम पुत्र स्व0 पन्नालाल गौतम निवासी रामपुर दान थाना बादशाहपुर,अजय गौतम पुत्र रामदीन गौतम निवासी कोनार थाना फूलपुर प्रयागराज व प्रदीप कुमार सरोज पुत्र रामदुलार सरोज निवासी रामपुरदान थाना मुंगराबादशाहपुर को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ गोवध अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर इन्हें जेल भेजा जा रहा है।

तरावीह मुकम्मल होने पर मस्जिद आयशा में महफिल का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। रमजान का बरकत वाला महीना आते ही मुसलमान एक महीना दिन का रोजा रखते हैं और रात में विशेष नमाज तरावीह पढ़ते हैं।इसी क्रम में नगर के प्रेमराजपुर पर स्थित मस्जिद आयशा में नौ रोजा पर तरावीह में कुरआन मुकम्मल हुआ।इस मौके पर मस्जिद में एक महफिल का आयोजन किया गया जिसमें हाफिज आमिर हमजा खैराबादी साहब ने रमजान के महीने की फजीलत और कुरआन की अहमियत अल्लाह और उसके रसूल पर प्रकाश डाला और देश में अमन व शांति के लिये दुआ कराई।

उन्होंने रमजान के रोजे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रोजा सभी मुसलमान पर फर्ज है जिससे कि आप परहेजगार बन सकें। उन्होंने कहा कि रमजान वो मुबारक महीना है जिसमे कुरआन शरीफ नाजिल हुआ। तरावीह में कुरआन सुनना सुन्नत है और पूरे महीने तरावीह सुनना अलग सुन्नत है। उन्होंने कहा कि हर मुसलमान को रमजान के पाक व पवित्र महीने में रोजा रखना चाहिए और अल्लाह की इबादत करनी चाहिए। रमजान का महीना रहमतों व बरकतों से लबरेज है। अंत में उपस्थित लोगों ने इमाम को गुलपोशी करके तोहफा पेश किया और नमाजियों में शिरिनी वितरित की गई। इस अवसर पर मोहम्मद अशफाक,मोहम्मद इब्राहीम,मकबूल अहमद, मोहम्मद शोएब, सोहराब अंसारी,मोहम्मद यूसुफ,मोहम्मद ताजुद्दीन, अली अकबर व अन्य लोग मौजूद थे।

मृतक पति को इंसाफ दिलाने के लिए भटक रही विधवा

एसपी आफिस पहुंचकर लगाई न्याय की गुहार, हत्या के मामले को आत्महत्या में बदलने का लगाया आरोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एक तरफ जहां केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश योगी सरकार महिलाओं को सम्मान दिलाने के लिए मातृशक्ति को बढ़ावा देने

के लिए समाज में पुरुषों के बराबर कंधे से कंधा मिलकर चलने के लिए तमाम मुहिम चलाकर महिलाओं को मजबूत कर रही है और उन्हें हर क्षेत्र में बढ़ावा दे रही है साथ ही जनता को न्याय दिलाने के लिए भी खुद कटिबद्ध हैं और जनता दरबार लगाकर लोगों की फरियाद सुनते हैं और उन्हें पूरी तरह से न्याय दिलाते हैं लेकिन जौनपुर में इसका ठीक उल्टा नजारा देखने को मिल रहा है जहा एक विधवा महिला अपने मृतक पति को इंसाफ दिलाने के लिए न्याय के लिए एसपी आफिस पहुंची। महिला का आरोप है कि पुलिस ने उसके पति के हत्या के मामले को आत्महत्या में बदल दिया है और जबकि पीड़िता का पति अस्पताल में भर्ती था तो पुलिस के द्वारा छेड़छाड़ का झूठा केस 27 जनवरी को दर्ज कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार पूरा मामला जलालपुर थाना क्षेत्र के बीबनमाऊ गांव कि रहने वाली शिल्पा मिश्रा से जुड़ा है, अपने मृतक पति आशीष को न्याय दिलाने के लिए थाने से लेकर एसपी आफिस तक का चक्कर लगा रही है। लेकिन पुलिस के द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। आरोप है कि पीड़िता के पति आशीष मिश्रा पर 26 जनवरी को कमलेश्वर मिश्रा, योगेश्वर मिश्रा, सत्येंद्र मिश्रा सहित कुल 10 लोगों ने मिलकर हमला कर दिया था। जिसके वजह वह घायल हो गए थे। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान एक फरवरी को आशीष की मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा 304 में दर्ज किया गया। लेकिन पुलिस ने बाद में उसे धारा 306 में बदल दिया और विपक्षियों पर ध ारा हल्की कर दी।

पुलिस अधीक्षक ऑफिस पहुंचे मृतक के भाई ने इस मामले में पुलिस के ऊपर लीपा पोती का आरोप लगाते हुए बताया कि 26 जनवरी को मृतक के चाचा के द्वारा के उसके भाई की हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद पुलिस ने ध ारा 304 में दर्ज किया। लेकिन बाद में पुलिस धारा को हल्का करते हुए उसे 306 में बदल कर मामले को लीपापोती करने लगी है। जिसको लेकर वह अपनी विवेचना किसी और से कराना चाहते हैं। लेकिन पुलिस उसकी विवेचना को किसी और को नहीं दे रही है। जिसकी वजह से पीड़िता ने आज पुलिस अधीक्षक ऑफिस पहुंचकर पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा को ज्ञापन दिया और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। अब देखना यह होगा की पुलिस अधीक्षक से महिला को कितना न्याय मिल पाता है। क्या दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी या मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

अब चिकित्सक भी करेंगे मतदाताओं को जागरूक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोक सभा चुनाव में मतदाताओं को जागरूक व मतदान में बढ़–चढ़ कर भाग लेने के लिए जिलाधिकारीध जिला निर्वाचन अधि ाकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत अब चिकित्सक भी करेंगे मतदाताओं को जागरूक। इस सम्बन्ध में आज मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह की अध्यक्षता में उनके कार्यालय पर मीटिंग हुई। जिसमें उन्होंने कहा कि अब चिकित्सक मरीज को इलाज करने के साथ–साथ मतदान के प्रति जागरूक भी करेंगे। लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान के लिए जिले के सभी सरकारी व गैर सरकारी चिकित्सकों को भी मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक व प्रेरित करने के लिए इस मतदाता जागरूकता अभियान में शामिल होने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने जनपद के सभी सरकारी व गैर सरकारी अस्पतालों, क्लीनिक, नर्सिंग होम, प्राथमिकध समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एंव चिकित्साधिकारी व चिकित्सकों से अपील किया है कि अपने परिसर में मतदाता जागरूकता बैनर लगाए तथा मतदान तिथि 25 मई को अपना मतदान जरुर करें एक मुहर बनवाकर मरीजों के पर्चे पर लगाया जाए, और लोगों को प्रेरित किया जाए कि स्वयं मतदान करें और अपने परिवार व अन्य लोगों को भी वोट डालने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नरेंद्र सिंह, डा वी सी पंत, डा राजीव कुमार, डॉ यू बी एस चौहान, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, डा प्रभात सिंह सहित अन्य चिकित्साधिकारी आदि उपस्थित रहे।

होली के रंग प्रेम और सौहार्द के प्रतीक –डा. अंजना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। रंगभरी एकादशी के पावन अवसर पर डॉ अंजना सिंह ने शहर के एक लॉन मे अपनी लोक परंपरा को जीवंत करते हुए फगुआ फुहार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया । कार्यक्रम में पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर अंजु कन्नौजिया स्त्री रोग विशेषज्ञ ,विशिष्ट अतिथि लोक गायिका वंदना दुबे,डॉक्टर तुलिका मौर्य दंत रोग विशेषज्ञ एवं डॉक्टर शैली निगम प्रसूति रोग विशेषज्ञ रही। कार्यक्रम में सभी मातृ शक्तियों ने बढ़–चढ़कर गीत गाया नृत्य किया और और एक दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी, वहीं लोक गायिका वंदना दुबे ने अपने पारंपरिक लोक गीतों से सभी का मन मोह लिया

कार्यक्रम का संचालन से डॉ नीतू सिंह ने किया।

कार्यक्रम में संगठन की मातृ शक्तियों रेखा सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, आशा गृह उद्योग की संचालिका सन्नो सिंह, सीमा तिवारी आदि उपस्थित रहीं अंत में डॉक्टर अंजना सिंह ने सभी को सम्मान पत्र देकर धन्यवाद किया और कहा कि होली हमारा सबसे प्रमुख त्यौहार है और अपनी लोक परंपराओं को हमें भूलना नहीं चाहिए।

भाभी से झगड़ा होने पर बुआ ने दो भतीजों की कर दी हत्या

प्रयागराज, संवाददाता। मेजा थाना क्षेत्र के हरगढ़ गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। भाभी से झगड़ा होने पर आक्रोशित होकर महिला ने अपने भाई के दो बेटों को मौत के घाट उतार दिया। महिला मानसिक रूप से बीमार बताई जा रही है। उसने दोनों बच्चों के सिर पर पटरे से प्रहार कर दिया। जिससे दोनों लहूलुहान हो गए। अस्पताल में दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। घटना मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है। बच्चों की मौत अस्पताल में देर रात हुई। संजय पुत्र शंकर भारतीय गांव हरगढ़ थाना मेजा के हरगढ़ गांव निवासी संजय के दो बच्चों लकी (5) और अभि (3) वर्ष को मौत के घाट उतार दिया गया। भाभी से संजय की बहन पूजा (35) ने घटना को अंजाम दिया। पूजा करीब वर्ष 10 साल से मानसिक रूप से बीमार है। अपनी भाभी पार्वती से झगड़ा होने पर वह आपा खो बैठी और अपने दोनों भतीजों को पटरी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी पाकर परिजन प्रयागराज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर इलाज के दौरान दोनों बच्चों की मौत हो गई। परिजन मृतक बच्चों को लेकर वापस घर आए। बच्चों के पिता संजय मुंबई में मजदूरी करने गया था। जानकारी पाकर वापस घर आ रहे हैं।

डीसीपी ने कहा होगी कार्रवाई

डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय का कहना है कि घटना के बाद से ही बुआ फरार चल रही है। वह मानसिक रूप से बीमार बताई जा रही है। पुलिस उसकी खोजबीन कर रही है। मामले में मुकदमा पंजीकृत करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया।

राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पर गर्व महसूस होता है – कृपाशंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए भाजपा के मोर्चों के जिलाध्यक्ष एव मोर्चा के जिला पदाधिकारियों एव मंडल अध्यक्ष के साथ लोकसभा प्रत्याशी की एक परिचयात्मक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की सुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं

के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 10 वर्ष सफलतापूर्वक भारत की संकल्पना को साकार किया है। मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की आकांक्षा को प्रभावी और सुनियोजित तरीके से पूरा किया है। हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता पर गर्व महसूस होता है। भारतीय के जीवन को बदलते हुए देखते हैं तो हमें खुशी होती है। हमारी सरकार हमारे राष्ट्र को सशक्त बना रही है और समृद्धि की नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। आज मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई राजनीति की शुरुआत हुई है जिसने आम नागरिकों की भावना को समेट लिया है।कार्यकर्ताओं से मोदी सरकार के सफल 10 साल के कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का आग्रह किया। ये उक्त बातें संयुक्त मोर्चा को संबोधित करते हुये लोकसभा के प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने की। संयुक्त मोर्चा की भूमिका पर भी चर्चा करते हुये कृपा शंकर सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव मे आम जनता से संवाद स्थापित करिये और पूरी टीम के साथ हम अपने रिपोर्ट कार्ड को लेकर जनता के बीच जाये। केंद्र में एक बार फिर दोबारा से माननीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बने, इसके लिए प्रदेश की जनता से आग्रह करें। उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से भाजपा की स्थिति और संकल्प है उस हिसाब से उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटें जीतेंगे। विधानसभा प्रभारी नागेश्वर पाण्डेय ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार आज गरीब पिछड़े व अंन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। प्रधान मंत्री जी ने दूर–दराज के लोगों को जहां पीने के पानी के दिये वही महिलाओं को खाना बनाने में हो रही दिक्कत को दूर करने के लिए निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने मोर्चा के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी अपने अनुशासित कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और गतिशीलता के दम पर पिछले सभी रिकार्डों को तोड़ते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करेगी उन्होंने मोर्चा के पदाधि ाकारियो से लोकसभा चुनाव में जुटने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन सुनील तिवारी ने की।

शराफत अली हरदोई समाज वादी पार्टी के जिलाध्यक्ष नियुक्त

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) समाजवादी पार्टी ने हरदोई में अपना जिलाध्यक्ष बदल कर पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष शराफत अली को फिर से जिलाध्यक्ष की कमान सौप दी है। समाजवादी पार्टी ने पहले वीरेंद्र यादव वीरे को पार्टी का जिला अध यक्ष बनाया था। वीरेंद्र जिलाध्यक्ष बनने के बाद से ही विवादों में घिरे रहे। जिला अध्यक्ष की तानाशाही के कारण कई बार पार्टी कार्यालय पर विवाद हुआ। इसकी शिकायत राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंची, अखिलेश यादव ने गोपनीय रूप से शिकायतों की जांच कराई। जिसमें शिकायतों को सही पाया गया। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूर्व में जिलाध्यक्ष रहे शराफत अली को पार्टी का नया जिला अध्यक्ष घोषित किया है। शराफत अली को जिलाध्यक्ष बनाने पर समाजवादी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश कुमार उत्तम ने पत्र जारी कर शराफत अली की ताजपोशी की है। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में कयास लगाये जा रहे हैं कि शराफत अली की ताजपोशी विवादों पर लगाम लगाने की कोशिश है। फिलहाल सपा के इस फैसले से सियासी हलकों में हलचल पैदा हो गयी है।

दंपती को घर में बंद कर जिंदा जलाने के मामले में सात गिरफ्तार

प्रयागराज, संवाददाता। मुट्ठीगंज में विवाहिता की मौत के बाद आक्रोशित मायके वालों द्वारा सास–ससुर समेत चार लोगों को घर में बंद कर जिंदा जलाने के मामले में सात लोगों को मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। मुट्ठीगंज थाने में मंगाई गई प्रिजनर वैन में बैठाकर सभी को मेडिकल के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद नैनी केंद्रीय कारागार में सभी को निरुद्ध कर दिया गया। इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने पूछताछ के लिए दर्जनभर लोगों को हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद प्रथम दृष्टया जिन लोगों की भूमिका सामने आई उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। मुट्ठीगंज के सत्तीचौरा मोड़ के पास सोमवार की देर रात घर के भीतर चार लोगों को बंद कर आग लगा दी गई थी। इसमें टिंबर व्यवसायी राजेंद्र केशरवानी (65) व उनकी पत्नी शोभा देवी (60) जिंदा जल गए। बेटी शिवानी (24) और भयाहू लवली (30) भी झुलस गईं। लवली को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों की तहरीर पर व्यवसायी की बहू के मायके पक्ष के 10 नामजद समेत 82 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में पुलिस ने 12 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। पिता–पुत्र सरदारी लाल और उसके बेटे अंशू समेत मायके पक्ष के सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा गया।

दहल गए थे लोग

सोमवार को टिंबर व्यवसायी की बहू अंशिका केशरवानी (26) की खुदकुशी के बाद दुस्साहसिक वारदात हुई थी। टिंबर व्यवसायी व उनकी पत्नी बेटी समेत चार लोगों को घर के भीतर बंद कर आग लगा दी गई थी। रात 11 बजे के करीब हुई इस घटना में देर रात तक राहत कार्य चलता रहा। आग बुझाने के बाद भोर में तीन बजे के करीब पुलिसकर्मियों को तलाशी के दौरान घर के भीतर व्यवसायी पत्नी समेत झुलसे मृत पड़े मिले।

सील तोड़कर विजयानगरम मार्केट में 15 होटल चालू, उच्चाधिकारी को भेजी गई रिपोर्ट

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के विजयानगरम मार्केट के 15 होटल कारोबारी सील तोड़कर अपना कारोबार कर रहे हैं। नगर निगम की ओर से एक अधिकारी ने इसकी रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को भेजी है। जांच कर इन पर एफआईआर की तैयारी की जा रही है। पूर्व में नगर निगम की ओर से इस मार्केट की 18 दुकानों को सील किया गया। साथ ही इनको अपना अवैध निर्माण तोड़ने की मोहलत दी गई। कुछ लोगों ने अपने टीन आदि तोड़े थे। इस बीच चुनाव आदर्श आचार संहिता लग गई। यहां के 15 आवंटियों ने सील तोड़कर होटल चालू कर दिया है। निगम के अधिकारियों के अनुसार 128 में से 18 दुकानों पर कार्रवाई हुई थी। डीएम सर्किल रेट से किराया तय करने की भी रणनीति बनी लेकिन कोई कार्रवाई न होने से आवंटियों ने भी सील तोड़कर होटल कारोबार चालू कर लिया है।

सुएज इंडिया ने इस्माइलगंज में जनसुनवाई का किया आयोजन, होली को देखते हुए सभी जोन की समस्याओं का किया जाएगा समाधान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी वन सिटी वन ऑपरेटर योजना के तहत सीवर मेंटेनेंस के लिए कार्यदाई संस्था सुएज इंडिया ने गुरुवार को इस्माइलगंज जोन– 7 में एक जनसुनवाई कैंप का आयोजन किया। इस जनसुनवाई में जोन – 7 के वार्डों के निवासियों ने शामिल होकर अपनी समस्याएं बताईं। सुएज इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री राजेश मठपाल ने बताया कि होली को ध्यान में रखते हुए सभी जोन में जन सुनवाई कैंप की शुरुवात की जा रही है। इस जन सुनवाई केंद्र के माध्यम से लोगों की सीवर संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। यह कैंप होली के बाद भी लगाए जाते रहेंगे। जनसुनवाई में लोगों ने विभिन्न प्रकार की शिकायतें दर्ज कराईं, जिनमें क्षतिग्रस्त मैनहोल, मैनहोल सीवर ओवरफ्लो, सीवर लाइन क्षति आदि शामिल हैं। श्री मठपाल ने बताया कि बड़े कार्यों से संबंधित शिकायतों को छोड़कर इन शिकायतों को हल करने के लिए न्यूनतम 24 घंटे का समय दिया जाता है। श्री मठपाल ने बताया कि सुएज इंडिया शहर में सीवर व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। जनसुनवाई का आयोजन लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। हम होली को ध्यान में रखते हुए सभी जोन में कैंप लगाकर हर तरह की शिकायतों का निवारण करेंगे। मुकेश सिंह चौहान, पार्षद इस्माइलगंज ने सुएज इंडिया द्वारा आयोजित जनसुनवाई कैंप की सराहना करते हुए कहा, ष्मैं सुएज इंडिया द्वारा होली तक सभी जोन में कैंप लगाने और लोगों की समस्याओं का समाधान करने की योजना की सराहना करता हूं। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो शहर में सीवर व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

एसडीएम सोहावल की अध्यक्षता में संचारी /दस्तक अभियान से संबंधित बैठक सम्पन्न

अयोध्या। संचारी/दस्तक अभियान हेतु तहसील टॉस्क फोर्स (टी. टी. एफ)की बैठक उपजिलाधिकारी तहसील सोहावल अशोक सैनी की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई।बैठक में एक अप्रैल से तीस अप्रैल तक संचारी/और दस अप्रैल से तीस अप्रैल तक दस्तक अभियान पर रणनीति बनाई गई। बैठक में ब्लॉक मोबिलाइजेसन कोआडिनेटर यूनिसेफ मसौधा धीरेन्द्र नाथ पाण्डेय ने बताया कि ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस मे जीरो से पांच साल के ऐसे बच्चे को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव के टीकाकरण होना है। जैसे कि खसरा, रुबेला, पोलियो, पीलिया, गला घोंटू, काली खांसी, टेटनस, निमोनिया, दिमागी बुखार, दस्त प्रबंधन साथ ही साथ गर्भवती महिलाओ को टेटनस के टीके लगेंगे। उन्होंने बताया कि सभी लोगों को अप्रैल माह में बहुत सावधानी बरतनी होगी। मच्छरों से बचाव संबंधी उपाय करने होंगे।शून्य से पांच साल के बच्चों को जापानी इनसेफलाइटिस का टीकाकरण अवश्य करवाएं।किसी भी तरह के बुखार होने पर नजदीकी अस्पताल मे खून की जाँच करवाएं। बैठक में खण्ड विकास अधिकारी पूजा साहू,बीईओ शैलेन्द्र कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, सावित्री पाण्डेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लेजेंड्स ऑफ अवध सम्मान से सम्मानित हुई कई विभूतियां

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। चर्चित सामाजिक संस्था सलाम लखनऊ ने यूपी प्रेस क्लब में पत्रकारिता में मील के पत्थर, लीजेंड्स अवार्ड का कार्यक्रम आयोजित किया । जिसकी अध्यक्षता विद्वान पत्रकारिता के पुरोधा युवाओं के लिए मील के पत्थर वरिष्ठ पत्रकार अहमद इब्राहिम अल्वी ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने अपने जीवन की पत्रकारिता और अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि आज के दौर में पत्रकारिता का मतलब ही लोग भूल गए हैं। मगर आमिर मुख्तार ने इस सम्मान के माध्यम से इन पत्रकारों को इकट्ठा करके ये साबित कर दिया है कि डॉ सलीम अहमद , मनोज मिश्रा, डॉक्टर आरिफ नजमी और अजय वर्मा के रूप में पत्रकारिता अभी जिंदा है। डॉ उमंग खन्ना, डॉ सिफातुज जेघ्हरा जैदी, एडवोकेट जुबैर अंसारी , आलोक कुमार पांडे, दीप नारायण मल्होत्रा जैसे लोगों के होते हुए इंसानियत कभी मर नहीं सकती। मुख्य अतिथि मनोज मिश्रा, ने कोलकाता से कार्यक्रम के संचालक, संस्था के अध्यक्ष को संदेश भेजकर आभार जताया और कहा कि सम्मान मिलने के बाद हमारी जिम्मेदारियां और बढ़ जाती हैं। हमें और बेहतर तरीके से काम करना होता है ताकि हम अपने मान सम्मान को बनाए रखें और आने वाली पीढ़ियों को सही मार्गदर्शन कर जाएं। वहां उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त कर संस्था के उज्जवल भविष्य के लिए बधाई दी। होम्योपैथिक चिकित्सा के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर उमंग खन्ना, इसलाहुल मुसलीम के जॉइंट सेक्रेटरी डॉक्टर सैयद बिलाल नूरानी ,वरिष्ठ पत्रकार डॉ सलीम अहमद, डा आरिफ नजमी की मौजूदगी में कला साहित्य , संस्कृति, पत्रकारिता , समाज सेवा के क्षेत्र में बेजोड़ काम करने वाली विभूतियों को लेजेंड्स ऑफ अवध सम्मान से सम्मानित किया गया । लीजेंड्स आफ अवध सम्मान वरिष्ठ पत्रकार अजय वर्मा को पत्रकारिता के क्षेत्र में, एडवोकेट जुबैर अंसारी को उर्दू शायरी , डॉ सिफातुज जहरा को उर्दू साहित्य लेखन , तनवीर अहमद सिद्दीकी को , आर टी आई एक्टिविस्ट , कथक गुरु डॉ रूचि खरे को शास्त्रीय नृत्य कत्थक के लिए स्मृति चिन्ह अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सिफत ए अवध के संपादक लईक अहमद, शकील अहमद, आईना के प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह, अविनाश पान्डे, उपाध्यक्ष अनिल तिवारी, संयुक्त सचिव ज्ञानी त्रिवेदी, वरिष्ठ शायर नसीर अहमद नसीर के साथ–साथ शहर की कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं।

सामाजिक न्याय की लड़ाई को जीतने के लिए एसडीपीआई के अलावा कोई और विकल्प नहीं है – मोहम्मद शफी

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। आज दिनांक 21 मार्च 2024 को लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दूसरी लिस्ट जारी की। दूसरी सूची में लखनऊ लोकसभा 35 से मोहम्मद अहमद को प्रत्याशी बनाया गया है, जबकि मेरठ हापुड़ लोकसभा से मोहम्मद आबिद को प्रत्याशी बनाया गया है। इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि मौ० शफी राष्ट्रीय उपाध्यक्षध्प्रभारी उत्तर प्रदेश ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय स्टेट बैंक और चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के विश्लेषण से साफ पता चलता है की चुनावी बॉन्ड के जरिये सत्ताधारी दलों जिसमे मुख्य विपक्षी दल भी शामिल हैं, को चंदा देने वालों में सड़क, खनन और इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी बड़ी कंपनियां शामिल है, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भले ही चंदे की राशि राजनीतिक दलों को मिल रही है, लेकिन इसकी असल कीमत दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग को चुकानी पड़ रही है, जिसके संसाधनों को सभी सत्ताधारी दलों ने चंदे के बदले इन कंपनियों के हाथों में कर दिया है. जल, जंगल, जमीन और अपने अधिकारो के लिए संघर्ष कर रहे दलितों, आदिवासियों पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों की लड़ाई पूंजीवादी और परिवारवादी पार्टियां नही लड़ सकती, सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को जीतने के लिए एसडीपीआई के अलावा भारतीय राजनीति में कोई और विकल्प नहीं है। मुईद हाशमी प्रदेश उपाध्यक्ष उ०प्र० ने पत्रकारों से बातचीत में बताया। जबसे बीजेपी की अगुवाई में 2014 से नरेंद्र मोदी की सरकार आयी है तबसे मुस्लिम समुदाय में असुरक्षा की भावना अधिक बढ़ गई है हालांकि असुरक्षा पहले नहीं थी ऐसी कोई बात नहीं है। लेकिन हाल के दिनों में मॉब लिंचिंग, घर वापसी, लव जिहाद, मंदिर–मस्जिद विवाद, गौरक्षक के द्वारा हत्या, उत्तेजित भीड़तंत्र, सांप्रदायिक तनाव, हिंदु राष्ट्र का उद्घोष इत्यादि ये सभी चीज मुस्लिम समुदाय को असुरक्षित महसूस कराती है। सभी सेकुलर दल मुस्लिमो का वोट तो लेना चाहते हैं लेकिन उनके मुद्दो हल करना नहीं चाहते। एसडीपीआई की सामाजिक लोकतंत्र की विचारधारा ही दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों के साथ ही अल्पसंख्यकों को प्रयाप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर सकती है। इस मौके पर उपस्थित रहे इरशाद अहमद लखनऊ जिला अध्यक्ष, अब्दुल कादिर जिला महासचिव, रियाज उद्दीन जिला सचिव आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्ट्रांग रूट्स प्री–स्कूल के वार्षिकोत्सव पर बच्चों की कलाओं ने सबका मन मोहित किया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

स्ट्रांग रूट्स प्री–स्कूल का वार्षिकोत्सवध्नुअल रिजल्ट डे का आयोजन रिज पैलेस में बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया।समारोह का शुभारंभ सरस्वती मां की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन और ष्ओम साईं रामष् गीत पर नन्हे मुन्ने बच्चो की मनोहर प्रस्तुति के साथ शुरू हुआ।।

इस अवसर पर स्ट्रांग रूट्स प्री स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि हम सब मिलकर बच्चों के भविष्य को संवारने के लिये कार्यरत है उनका प्रयास है कि बच्चो के चहुमुखी विकास हो और सभी बच्चे अपने परिवार का नाम रोशन करें।।

बच्चो के हुनर को देखकर लोग स्कूल की शिक्षा व्यवस्था की तारीफ करते दिखे।बेस्ट स्टूडेंट्स ऑफ ईयर का अवॉर्ड स्कूल के प्रतिभाशाली बच्ची प्रगति गुप्ता, और बेस्ट स्टडी बॉल के लिये अथर्व गुप्ता, मानवी अरोड़ा और प्रथम को दिया गया।।

स्कूल की डायरेक्टर निकिता श्रीवास्तव ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें आशा और विश्वास ही नहीं यकीन है कि भविष्य में भी इसी तरह का सहयोग और स्नेह आप सभी का मिलता रहेगा।इस मौके पर डॉ शारिक परवेज, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष अम्बरीष कुमार सक्सेना,महामंत्री आलोक कुमार पाठक,डॉ सौरभ गुप्ता, डा पारुल गुप्ता, डॉ श्याम गुप्ता,डॉ पूजा गुप्ता, डा. मेहताब आलम, डा. ताहिर खघन के कर कमलों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।वार्षिकोत्सव में राखी त्रिपाठी,सदफ खान,निशा सिंह, हंसिका अरोड़ा, ऐमन खघन, इरम खघन, दीप्ति नरूला आदि ने खासा योगदान किया।

आज से विभिन्न रुटों पर 90 से अधिक बसो का होगा संचालन - आदित्य प्रकाश

चालक व परिचालक बसों में न रखने दे खोया, मदिरा जैसे अवैध पदार्थ

अयोध्या। होली पर्व पर यात्रियों की संख्या को देखते हुए रोडवेज विभाग ने बसो के संचालन में बढ़ोतरी किया है। होली पर अपने अपने घरों पर आने वाले यात्रियों को किसी भी तरह की कठिनाई न हो इसके लिए अयोध्या डिपो से विभिन्न रुटों पर 92 रोडवेज बसों का संचालन 22 मार्च से 01 अप्रैल तक किया जा रहा है।यह बातें सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने बताई। उन्होंने कि इस मौके पर अयोध्या डिपो से सबसे अधिक 40 बसो का संचालन अयोध्या – लखनऊ – गोरखपुर रुट पर होगा।वही सबसे कम 02 रोडवेज बसों का संचालन अयोध्या –– लखनऊ – आगरा रुट पर होगा।उन्होंने बताया कि इसके अलावा अयोध्या – कौशांबी रुट पर 8 रोडवेज बसों, अयोध्या – लखनऊ – आजमगढ़ रुट पर 20 बसों का संचालन किया जायेगा।इसी तरह अयोध्या – प्रयागराज – गोंडा रुट पर 12 रोडवेज बसों का तथा अयोध्या – सुल्तानपुर – बाराबंकी रुट पर 10 रोडवेज बसों का संचालन किया जायेगा। सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने बताया कि रोडवेज बसों की संख्या में बढ़ोतरी होने से होली पर दूर दराज से अपने अपने घरों को आने वाले लोगों को किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना नहीं करना होगा। उन्होंने बताया कि जिन चालक व परिचालक की ड्यूटी इस दौरान रहेगी उन्हें विभाग द्वारा अलग से प्रोत्साहन भत्ता दिया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने यह भी बताया कि होली को देखते हुए सभी रोडवेज चालक व परिचालक को सख्त हिदायत दी गई है कि वे सभी अपने अपने बसों में खोया, मदिरा या फिर आपत्ति जनक खाद्य पदार्थों व वस्तुओं को न रखे।अगर किसी भी बस में चेकिंग के दौरान इस तरह की आपत्ति जनक खाद्य पदार्थ व मदिरा आदि बरामद होती है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

आलमबाग पुलिस ने शातिर चोर को किया गिरफ्तार, चोरी के 05 अदद मोबाइल फोन बरामद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना आलमबाग पुलिस टीम द्वारा दिनांक 20.03.2024 को अर्जुन गुप्ता पुत्र लाल गुप्ता निवासी दोस्त चेतन का किराये का मकान सुभाष नगर गली न0–2 मे, हनुमानपुरी सूरज कुंड स्पोर्ट्स मार्केट मेरठ थाना सिविल लाइन मेरठ, हालपता श्रृंगार नगर मेट्रो स्टेशन के पास लखनऊ को मवैया सब्जी मंडी बाजार, नियर तिवारी मिष्ठान भंडार दुकान थाना आलमबाग से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से चोरी के 05 अदद मोबाइल की बरामदगी की गयी। जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 51/2024 धारा 411/413 भादवि पंजीकृत होकर अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। अपराध का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि अभियुक्त द्वारा भीड़ भाड़ वाले स्थानों में घूम फिर कर लोगो को देखते रहना जिसके पास अच्छे किस्म के मोबाईल फोन की जानकारी होती है उसे मौका पाकर चोरी कर लेना तथा रास्ते चलते उन्हें कम कीमत पर बेचकर धन अर्जित कर लाभ कमाना।

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त–

–अर्जुन गुप्ता पुत्र श्री लाल गुप्ता निवासी दोस्त चेतन का किराये का मकान सुभाष नगर गली न0–2 मे, हनुमानपुरी सूरज कुंड स्पोर्ट्स मार्केट मेरठ थाना सिविल लाइन मेरठ, हालपता– श्रृंगार नगर मेट्रो स्टेशन के पास लखनऊ उम्र 31 वर्ष।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक इसरार अहमद खान, कांस्टेबल सौरभ कुमार, कांस्टेबल मनजीत देशवाल थाना आलमबाग लखनऊ शामिल रहे।

लखनऊ सी बी ओ ए की आम बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महासचिव रविकुमार और वरिष्ठ उपाध्यक्ष धनंजय सिंह के मार्गदर्शन में, सीबीओए लखनऊ टीम के सर्व मित्र भट्ट ने लखनऊ में एक सफल आम बैठक आयोजित की। वरिष्ठ उपाध्यक्ष धनंजय को सुनने के लिए 280 से अधिक सदस्यों की एक विशाल सभा थी। ओजीएस और सीएनटी अंशुमान सिंह, डीजीएस विवेक श्रीवास्तव, महिला प्रतिनिधिध्सीसी सदस्य शालू वासवानी, आर एस लखनऊ आरओ 1 संतोष कुमार और आर एस लखनऊ आरओ 2 विवेक सोनकर ने बैठक को संबोधित किया। दोनों आर एस ने वेतन समझौते में 9वें संयुक्त नोट में 5 दिवसीय बैंकिंग क्लॉज को शामिल करने के लिए सीबीओए की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में सदस्यों को अवगत कराया। शीर्ष नेताओं ने सदस्यों को अनैतिक आचरण, विंडो ड्रेसिंग न करने के लिए निर्देशित किया और अनुपालन सुनिश्चित करने और दिशानिर्देशों से विचलित न होने के महत्व पर भी जोर दिया। सभी सदस्यों को 'अनुपालन पहले और व्यवसाय बाद में' की टैगलाइन का पालन करने की सख्त सलाह दी गई। महिला ब्रिगेड सहित सभी सदस्य सक्रिय रूप से विचार–विमर्श में शामिल रहे। सभी सदस्यों ने समझौते पर मिलने वाली राशि पर लेवी नहीं लिए जाने के लिए महासचिव रविकुमार के प्रति आभार व्यक्त किया। सीबीओए में अनुशासन के साथ साथ केनरा बैंक का विकास पर बल दिया गया।

एनुअल रिपोर्ट्स डे" में कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी की विक्रान्त खण्ड और राजाजीपुरम शाखा में आज "एनुअल रिपोर्ट्स डे" में कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। एसकेडी एकेडमी की विक्रान्त खण्ड, गोमतीनगर और राजाजीपुरम शाखा में आज "एनुअल रिपोर्ट्स डे" में कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए. इस अवसर पर कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए संस्थान के निदेशक श्री मनीष सिंह ने कहा कि हमें जीवन में हर पल ईश्वर, गुरु और अपने माता पिता के लिए कृतज्ञ रहना चाहिए तभी हम इंजीनियर और डॉक्टर के साथ साथ अच्छे नागरिक भी बन सकेंगे. इस अवसर पर संस्थान की उपनिदेशक श्रीमती निशा सिंह ने कविता "कोशिश कर हल निकलेगा" के माध्यम से छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित किया. । पुरस्कार वितरण के दौरान विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई जिसने यहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया. इस अवसर पर संस्थान की सह निदेशक श्रीमती कुसुम बत्रा, सह निदेशक श्री डीके सिंह, सम्मानित शिक्षकगण, छात्र–छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित थे।

थाना गुडम्बा पुलिस टीम द्वारा 02 नफर वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना गुड़म्बा पुलिस टीम द्वारा 02 वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि माननीय न्यायालय द्वारा जारी वाद सं0–5805997/13 अ0सं0 42/08 धारा 323/504 भादवि थाना गुडम्बा लखनऊ से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त नागेश्वर पुत्र किशोरी लाल निवासी ग्राम दसौली थाना गुडम्बा लखनऊ को उ0नि0 सुदर्शन सिहं मय हमराही पुलिस बल के आज दिनांक 19.03.2024 को अभियुक्त के अंकित पते से प्रातः 21.30 बजे मा0 न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु हिरासत पुलिस में लिया गया व माननीय न्यायालय द्वारा जारी वाद सं0 5486/13 अ0सं0 543/08 धारा 147/148/504/506/507 भादवि थाना गुडम्बा लखनऊ से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त गजेन्द्र पुत्र श्याम विहारी निवासी निकट हरसिगार फैक्ट्री गौराबाग थाना गुडम्बा लखनऊ को उ0नि0 त्रिविक्रम सिहं मय हमराही पुलिस बल के आज दिनांक 19.03.2024 को अभियुक्त के अंकित पते से प्रातः 20.30 बजे मा0 न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु हिरासत पुलिस में लिया गया जिनके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।